UNIVERSITY NEWS 06 JULY 2026

HINDUSTAN TIMES

LU to revive D.Litt., D.Sc., LL.D. admissions after 18 yrs

ADMISSIONS TO BEGIN AFTER RAJ BHAVAN APPROVAL; ORDINANCE 2025 INTRODUCES STRICT ELIGIBILITY NORMS AND A SELF-SUPERVISION PROVISION FOR ADVANCED RESEARCH PROGS

LUCKNOW : Lucknow University is set to restart admissions to its Doctor of Letters (D.Litt.), Doctor of Science (D.Sc.) and Doctor of Laws (LL.D.) programmes after a gap of nearly 18 years. The university has completed preparations after its competent bodies approved the Ordinance Governing the Award of the Degree of D.Litt., D.Sc. and LL.D. 2025, a spokesperson said.

The university will issue the admission notification and begin the registration process once the ordinance receives final approval from the Raj Bhavan.

Under the revived programmes, D.Litt. will be offered in the faculties of arts, education, commerce and fine arts, D.Sc. in the faculties of science, engineering and technology, and pharmacy, while LL.D. will be awarded in the faculty of law.

JP Saini said the revival of the programmes marks a historic milestone in the university's academic journey after nearly 18 years.

"Our objective is not merely to increase the number of degrees awarded, but to foster high-level, innovative, and globally benchmarked original research in alignment with the core principles of the National Education Policy (NEP) 2020," he said.

He added that the provision for "self-supervision" would provide senior scientists and professors with an opportunity to undertake independent research, while assuring that the admission and evaluation process would remain transparent and impartial.

Strict eligibility criteria

According to the 2025 ordinance, applicants must hold a Ph.D. or an equivalent degree from an Indian university or a foreign university recognised by the UGC. They must also have at least five years of regular experience in teaching, research, administration or a related professional field after obtaining the Ph.D.

Candidates are required to publish at least 10 research papers related to their proposed research area in UGC-listed or recognised journals with a cumulative Journal Citation Reports (JCR) impact factor of at least 5.0. The applicant must be the first or corresponding author in all the publications.

Guide and self-supervision options

The ordinance allows research under an approved guide or through self-supervision.

Only professors who have successfully supervised at least five Ph.D. scholars will be eligible to act as guides. Each professor can supervise a maximum of two candidates at a time, with only one new admission permitted in an academic year.

For self-supervision, candidates must have at least 10 years of service after their Ph.D. and publish a minimum of 15 research papers in UGC-listed journals with a cumulative JCR impact factor of at least 10.0 as the first or corresponding author.

Multi-stage admission and evaluation

Applicants will have to submit the prescribed application form, fee, six copies of a 1,500-3,000-word research synopsis, a 1,000-word summary of previous research work and a No Objection Certificate.

A Post-Doctoral Research Committee, comprising the dean, head of department and two external professors nominated by the vice-chancellor, will evaluate the applications.

Candidates can submit their thesis after a minimum of two years and within four years of registration. The vice-chancellor may grant a one-year extension in special circumstances.

The thesis will undergo plagiarism and AI checks before being sent to three independent examiners selected by the vice-chancellor from a panel recommended by the Board of Studies. An open viva-voce chaired by the dean will be conducted only after all three examiners submit positive reports, following which the degree will be awarded. HTC

AMAR UJALA

18 साल बाद शुरू होगी डीलिट, डीएससी व एलएलडी की पढ़ाई

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने करीब 18 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद डीलिट., डीएससी और एलएलडी जैसे उच्च अनुसंधान पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया फिर से शुरू करने की तैयारी कर ली है। विश्वविद्यालय के सभी सक्षम निकायों ने अध्यादेश-2025 पारित कर दिया है। राजभवन से अंतिम मंजूरी मिलते ही दाखिले के लिए आधिकारिक अधिसूचना जारी होगी।

यह निर्णय उच्च शिक्षा और मौलिक अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए लिया गया है। डीलिट पाठ्यक्रम कला, शिक्षा, वाणिज्य और ललित कला

लखनऊ विवि के सभी निकायों से नया अध्यादेश पास

संकायों के लिए होगा। डीएससी पाठ्यक्रम विज्ञान, इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी और फार्मेसी संकायों के लिए होगा। एलएलडी विधि संकाय के शोधार्थियों को प्रदान की जाएगी।

कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने कहा, यह लखनऊ विश्वविद्यालय के अकादमिक इतिहास में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। हमारा उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप उच्च स्तरीय मौलिक अनुसंधान को बढ़ावा देना है। उन्होंने यह भी कहा कि सेल्फ सुपरविजन का प्रावधान वरिष्ठ वैज्ञानिकों को स्वतंत्र

राजभवन की अंतिम मंजूरी मिलते ही शुरू होगी प्रवेश प्रक्रिया

शोध का एक अनूठा मंच देगा।

पाठ्यक्रमों के लिए योग्यता और शोध मानदंड : अध्यादेश 2025 के अनुसार, प्रवेश केवल उन्हीं मेधावी अभ्यर्थियों को मिलेगा जिन्होंने उत्कृष्ट अनुसंधान कार्य किया हो। पीएचडी या समकक्ष उपाधि अनिवार्य है। अभ्यर्थी के पास पीएचडी के बाद न्यूनतम पांच वर्ष का शिक्षण या अनुसंधान अनुभव होना चाहिए। आवेदनकर्ता के कम से कम 10 शोधपत्र प्रतिष्ठित जर्नल्स में प्रकाशित होने चाहिए। इनमें अभ्यर्थी का प्रथम या करेस्पॉन्डिंग लेखक होना आवश्यक है।

प्रवेश प्रक्रिया और मूल्यांकन

योग्य अभ्यर्थियों को निर्धारित आवेदन शुल्क के साथ विस्तृत सिनॉप्सिस जमा करना होगा। कुलपति की ओर से गठित पोस्ट-डॉक्टोरल रिसर्च कमेटी पब्लिकेशंस की गुणवत्ता की जांच करेगी। पंजीकृत अभ्यर्थी अपना शोध कार्य न्यूनतम दो वर्ष और अधिकतम चार वर्ष के भीतर जमा कर सकेंगे। थीसिस का साहित्यिक चोरी और एआई चेक किया जाएगा। इसके बाद तीन स्वतंत्र परीक्षकों द्वारा मूल्यांकन होगा। सकारात्मक रिपोर्ट मिलने पर ओपन वाइवा आयोजित होगा, जिसके सफल समापन पर उपाधि प्रदान की जाएगी।

AMAR UJALA

प्रवेश की धीमी चाल, समय से कैसे शुरू होंगी कक्षाएं

माई सिटी रिपोर्टर

27 जुलाई से शुरू होना है शिक्षा सत्र तीन बार बढ़ाई गई यूजी में प्रवेश के लिए आवेदन की अंतिम तिथि

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए 27 जुलाई से कक्षाएं शुरू करने का लक्ष्य रखा है। हालांकि, मौजूदा प्रवेश प्रक्रिया की धीमी गति के कारण यह समय सीमा पूरी होती नहीं दिख रही है। अकादमिक कैलेंडर के अनुसार, प्रथम सेमेस्टर की प्रवेश प्रक्रिया 25 जुलाई तक पूरी होनी थी।

अभी तक प्रवेश परीक्षाएं शुरू नहीं हो सकी हैं। स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि कई बार बढ़ाई गई, जिसे 31 मई से बढ़ाकर 15 जून, 22 जून और फिर 30 जून किया गया। परास्नातक पाठ्यक्रमों के लिए भी 5 जुलाई को अंतिम तिथि एक बार फिर बढ़ाई गई। प्रवेश परीक्षाएं 12 जुलाई तक चलेंगी, जिसके बाद परिणाम, मेरिट और काउंसिलिंग प्रक्रिया शुरू होगी। ऐसे में कुछ ही सप्ताह में पूरी प्रक्रिया समाप्त कर 27 जुलाई से नियमित कक्षाएं शुरू करना चुनौतीपूर्ण होगा।

विश्वविद्यालय का भरोसा : हालांकि, विश्वविद्यालय प्रशासन को पूरा भरोसा है कि शिक्षा सत्र समय पर शुरू हो जाएगा। प्रवक्ता मुकुल श्रीवास्तव ने बताया कि लखनऊ विश्वविद्यालय का ट्रैक रिकॉर्ड हमेशा समयबद्ध रहा है। प्रवेश परीक्षा, परिणाम और काउंसिलिंग की पूरी रूपरेखा माइक्रो-लेवल प्लानिंग के तहत तैयार है। प्रक्रियाएं समानांतर चलेंगी, जिससे समय का नुकसान नहीं होगा और सत्र निर्धारित समय पर ही शुरू होगा।

आवेदन की तारीख फिर बढ़ी

लखनऊ। लविवि ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के तहत परास्नातक (पीजी) व पीजी प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि नौ जुलाई कर दी गई है। इससे पहले आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर पांच जुलाई की गई थी। प्रवेश समन्वयक प्रो. अनित्य गौरव के अनुसार अभ्यर्थियों की मांग को देखते हुए आवेदन की समय सीमा बढ़ाई गई है। परीक्षा की विस्तृत समय-सारिणी और विषयवार कार्यक्रम जल्द जारी किया जाएगा। इससे पहले विवि स्नातक और अन्य पाठ्यक्रमों की आवेदन तिथियां भी कई बार बढ़ा चुका है। लगातार आवेदन तिथि बढ़ने से प्रवेश प्रक्रिया आगे खिसक रही है। (माई सिटी रिपोर्टर)

TOI

LU to restart D Litt, DSc, LLD progs

Lucknow: Lucknow University is set to revive admissions to its doctor of letters (D.Litt.), doctor of science (D.Sc.) and doctor of laws (LL.D.) programmes after an 18-year hiatus.

University officials approved the ordinance governing the award of the three degrees.

"Admissions will commence once the ordinance receives formal approval from the Jan Bhavan," said LU spokesperson Mukul Srivastava. TNN

LU UG entrance test begins today

The Lucknow University UG entrance test will begin on Monday. The entrance test for bachelor's in journalism and mass communication and Bachelor in elementary education will be held on the first day of the examination.

DAINIK JAGRAN

छात्राओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन

लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से जारी बी.ए छठे सेमेस्टर के परिणाम में एपी सेन मेमोरियल गर्ल्स पीजी कालेज की छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। कालेज की प्राचार्य प्रोफेसर रचना श्रीवास्तव ने बताया कि कोर्स के सभी छह सेमेस्टर में मिलाकर 84.4% अंकों के साथ छात्रा अलका दुबे कालेज की टापर बनी हैं। वहीं दूसरे स्थान पर 83.4% अंकों के साथ प्रज्ञा सिंह एवं 80.1% अंकों के साथ आस्था ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने बताया कि इसी के साथ कालेज कि अन्य छात्राएं भी बहुत अच्छे अंकों के साथ पास हुई हैं। वि

लवि: कर्मचारियों के लेट से आने पर होगी सख्ती

लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने कर्मचारियों को समयपालन व्यवस्था को लेकर सख्ती बरतनी शुरू कर दी है। कुलसचिव की ओर से जारी आदेश के अनुसार, निर्धारित समय से 15 मिनट देर से आने या 15 मिनट पहले कार्यालय छोड़ने पर कर्मचारी की आधी छुट्टी मानी जाएगी। वहीं एक माह में दो बार ऐसा होने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई के साथ प्रत्येक दो बार की पुनरावृत्ति पर एक दिन का आकस्मिक अथवा अर्जित अवकाश काटा जाएगा। सभी विभागाध्यक्षों को आदेश का पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। वि

SWATANTRA BHARAT

लविवि : 18 साल बाद फिर शुरू होंगे डीलिट डी.एससी व एलएल.डी में प्रवेश

DAINIK JAGRAN

156 कालेजों की 33,704 सीटों पर होंगे प्रवेश

विश्वविद्यालय ने जारी की **केंद्रीयकृत प्रवेश प्रक्रिया** में जुड़े 156 महाविद्यालयों की सूची

जागरण संवाददाता • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय इस बार काउंसिलिंग के जरिए कैंपस के साथ-साथ 156 कालेजों की 33,704 सीटों पर प्रवेश का मौका देगा। इनमें 63 एडेड और राजकीय कालेज भी शामिल हैं। लवि ने अपनी वेबसाइट पर कालेजों की कोर्स और सीटवार विवरण जारी किया है।

लवि ने इस बार केंद्रीय प्रवेश प्रक्रिया में प्रतिभाग करने के लिए सरकारी और एडेड कालेजों से कोई भी शुल्क नहीं लिया है। इस वजह से 47 एडेड और 16 राजकीय कालेजों ने भी प्रवेश प्रक्रिया के लिए सहमति दी है। जारी सूची के अनुसार बी.काम एनईपी में 25 कालेजों की 3300 सीटें हैं। इनमें एपी सेन मेमोरियल गर्ल्स पीजी कालेज, अवध गर्ल्स डिग्री कालेज, बीएसएनवी कालेज, सरोजनी नगर, खुन खुन जी गर्ल्स डिग्री कालेज, लखनऊ क्रिश्चियन डिग्री कालेज, महिला विद्यालय डिग्री कालेज, नवयुग कन्या महाविद्यालय सहित 12 राजकीय व एडेड कालेज में प्रवेश का मौका मिलेगा। बी.एससी बायोलाजी के लिए बीएसएनवी, करामत कालेज, महिला कालेज, कालीचरण सहित 11 एडेड, दो राजकीय संग 17 कालेजों का पंजीकरण है। बी.ए के लिए 20 एडेड, तीन निजी सहित 23 कालेजों की सीटें 20,919 हैं। प्रवेश समन्वयक प्रो. अनित्य गौरव ने बताया, इस बार काफी कालेज प्रवेश प्रक्रिया में शामिल हुए हैं।

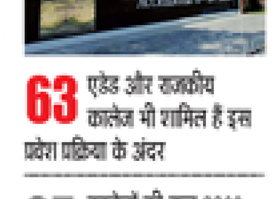

63 एडेड और राजकीय कालेज भी शामिल हैं इस प्रवेश प्रक्रिया के अंदर

25 कालेजों की कुल 3300 सीटें हैं बी.काम एनईपी में जारी सूची के अनुसार

कोर्सवार सीटें

- बी.काम आनर्स : 10 निजी कालेज, 780 सीटें
- बीएससी एग्रीकल्चर : तीन निजी कालेज, 780 सीटें
- बीएलएड : 12 कालेजों में एक एडेड कालेज, 530 सीटें
- बीसीए : दो एडेड, 13 निजी कालेज, कुल 1550 सीटें।
- बीजेएमसी : तीन निजी कालेज, 300 सीटें।
- बीबीए : दो एडेड, 18 निजी कालेज, कुल 1960 सीटें।
- बीवीए, बीएफए : दो निजी कालेज, 240 सीटें।
- एलएलबी इंटीग्रेटेड : 12 निजी कालेज, 1800 सीटें।
- बीएससी मैथ्स : 14 कालेज : 2869 सीटें।

लवि : फिर शुरू होंगे डी.लिट., डी.एससी और एलएलडी के प्रवेश

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय करीब 18 साल बाद डाक्टरेट आफ लेटर्स (डी.लिट.), डाक्टरेट आफ साइंस (डी.एससी.) और डाक्टरेट आफ लाज (एलएलडी) जैसे शीर्ष उच्च शैक्षणिक अनुसंधान पाठ्यक्रमों में फिर से प्रवेश शुरू करेगा। इसके लिए आर्डिनेंस गवर्निंग द अवार्ड आफ द डिग्री आफ डी.लिट., डी.एससी एंड एल.एल.डी. 2025' को पारित किया जा चुका है। जनभवन से इस नए अध्यादेश को मंजूरी मिलते ही विश्वविद्यालय पंजीकरण शुरू करेगा।

प्रवक्ता प्रो. मुकुल श्रीवास्तव ने बताया कि डी.लिट की उपाधि कला, शिक्षा, वाणिज्य, व ललित कला संकायों के लिए, डी.एससी की उपाधि विज्ञान, इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलाजी व फार्मेसी संकायों तथा एलएलडी की उपाधि विधि संकाय के शोधार्थियों को दी जाएगी। इनमें प्रवेश उन्हीं अभ्यर्थियों को दिया जाएगा, जिन्होंने संबंधित विषय में असाधारण अनुसंधान कार्य किया हो। अभ्यर्थी के पास किसी भी भारतीय विश्वविद्यालय या यूजीसी से मान्यता प्राप्त विदेशी विश्वविद्यालय से संबंधित विषय में पीएच.डी या उसके समकक्ष उपाधि होना अनिवार्य है। पीएच.डी. उपाधि प्राप्त करने के बाद

18 साल बाद शुरू होगी प्रवेश प्रक्रिया, नया अध्यादेश 2025 पास, जनभवन की अंतिम मंजूरी मिलते ही शुरू होंगे दाखिले

अभ्यर्थी के पास शिक्षण, अनुसंधान, प्रशासन या संबंधित क्षेत्र में पेशेवर के रूप में न्यूनतम पांच वर्ष की नियमित नियुक्ति का अनुभव जरूरी है। आवेदन कर्ता के प्रस्तावित शोध क्षेत्र से संबंधित न्यूनतम 10 शोध पत्र विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त, यूजीसी लिस्टेड या न्यूनतम 5.0 के कुल इम्पैक्ट फैक्टर वाले प्रतिष्ठित जर्नल्स में प्रकाशित होने चाहिए।

मार्गदर्शन की दोहरी व्यवस्था : जो अभ्यर्थी किसी विशेषज्ञ के अधीन शोध करना चाहते हैं, उन्हें विश्वविद्यालय एक एडवाइजर आवंटित करेगा। इस अध्यादेश के तहत केवल वही प्रोफेसर गाइड बन सकेंगे, जिन्होंने न्यूनतम पांच पीएच.डी विद्यार्थियों का सफल मार्गदर्शन किया हो। एक प्रोफेसर दो अभ्यर्थियों को ही एक समय में निर्देशित कर सकते हैं।

पूरी खबर पढ़ने के लिए क्यूआर स्कैन करें।

AMRIT VICHAR

लविवि 18 साल बाद फिर से शुरू करेगा डीलिट और डीएससी शोध

जनभवन की मंजूरी मिलते ही शुरू किया जाएगा पाठ्यक्रम

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय करीब क18 वर्षों के अंतराल के बाद एक बार फिर अपने शीर्ष उच्च शैक्षणिक अनुसंधान पाठ्यक्रमों को शुरू करने जा रहा है, जिसे जनभवन की मंजूरी मिलने का इंतजार है। लविवि ने डॉक्टरेट ऑफ लेटर्स (डीलिट), डॉक्टरेट ऑफ लॉ (डीएससी), एलएलडी जैसे शीर्ष उच्च शैक्षणिक अनुसंधान पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया को पुनः प्रारंभ करने की पूरी तैयारी कर ली है। मंजूरी मिलते ही प्रवेश एवं पंजीकरण की आधिकारिक प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

• **प्रवेश और अनुसंधान की जटिल प्रक्रिया से छात्रों को हो सकती है दिक्कतें**

विश्वविद्यालय करीब 18 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद जो अभ्यर्थी किसी विशेषज्ञ के अधीन शोध करना चाहते हैं, उन्हें विश्वविद्यालय द्वारा एक 'एडवाइजर' आवंटित किया जाएगा। इस अध्यादेश के तहत केवल वही प्रोफेसर गाइड बन सकेंगे, जिन्होंने न्यूनतम 5 पीएचडी छात्रों का सफल मार्गदर्शन किया हो। एक प्रोफेसर अधिकतम 2 अभ्यर्थियों को ही एक समय में निर्देशित कर सकते हैं, जिसमें एक शैक्षणिक वर्ष में केवल 1 दाखिला शामिल हो सकता है। ऐसे वरिष्ठ और उत्कृष्ट शोधार्थी जो बिना किसी गाइड के स्वतंत्र रूप से शोध करना चाहते हैं, वे 'सेल्फ सुपरवाइज्ड स्कॉलर' के रूप में प्रवेश ले सकते हैं। इसके लिए अभ्यर्थी के पास पीएचडी के बाद न्यूनतम 10 वर्षों की सेवा तथा न्यूनतम 10 के कुल इम्पैक्ट फैक्टर वाले यूजीसी-लिस्टेड जर्नल्स में 15 शोध पत्र प्रकाशित होने आवश्यक हैं।

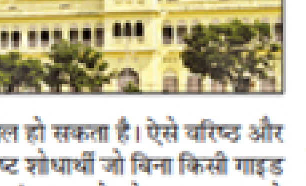

इन विषयों में मिलेगी उपाधि

डीलिट की उपाधि कला, शिक्षा, वाणिज्य और ललित कला संकायों के लिए, डीएससी की उपाधि विज्ञान, इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी और फार्मेसी संकायों के लिए तथा एलएलडी की उपाधि विधि संकाय के शोधार्थियों को प्रदान की जाएगी।

प्रवेश के लिए उच्च स्तरीय पात्रता : प्रवेश केवल उन्हीं मेधावी अभ्यर्थियों को दिया जाएगा, जिन्होंने संबंधित या संबंधित विषय में उत्कृष्ट वैश्विक योगदान के साथ असाधारण अनुसंधान कार्य किया हो। अभ्यर्थी के पास किसी भी भारतीय विश्वविद्यालय या यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त विदेशी विश्वविद्यालय से संबंधित विषय में पीएचडी या उसके समकक्ष उपाधि होना अनिवार्य है।

लखनऊ विश्वविद्यालय ने बढ़ाई परास्नातक आवेदन की तिथि

अमृत विचार, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के सत्र 2026–27 की केंद्रीयकृत प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत परास्नातक पाठ्यक्रमों की प्रवेश प्रक्रिया मे ऑनलाइन प्रवेश फार्म भरने की अंतिम तिथि बढ़ा कर 9 जुलाई कर दी गई है। परास्नातक पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा जुलाई के तीसरे सप्ताह मे लखनऊ विश्वविद्यालय के दोनों परिसरों में आयोजित की जाएगी। विषयवार प्रवेश परीक्षा की विस्तृत स्कीम जल्द ही जारी की जाएगी।

NBT

LU में यूजी कोर्स की प्रवेश परीक्षाएं आज से

एग्जाम के दौरान परिसर में बाहरियों और वाहनों की नो-एंट्री.

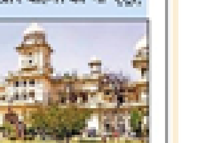

इनका रखें ध्यान

LU: जल्द शुरू होंगी D.Litt, D.Sc और L.L.D डिग्रियां

अब 9 जुलाई तक कर सकते हैं पीजी कोर्स के लिए आवेदन

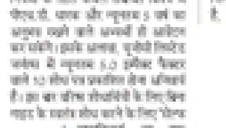

DAINIK JAGRAN

लवि प्रवेश परीक्षा आज से

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के स्नातक कोर्सों में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षाएं सोमवार से शुरू होंगी। इसको लेकर तैयारी पूरी ककर ली गई है। पहले दिन सुबह 10 :30 से दोपहर 12 बजे तक बीजेएमसी और दोपहर 2 :30 बजे से चार बजे तक बीएलएड के लिए प्रवेश परीक्षा होगी। अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र के साथ एक घंटा पहले प्रवेश दिया जाएगा।

आवेदन की तिथि बढ़ी

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने पीजी एवं पीजी प्रोफेशनल कोर्सों में आवेदन की तिथि नौ जुलाई तक बढ़ा दी है। अभी तक पांच जुलाई तक समय दिया गया था। प्रवेश परीक्षा जुलाई के तीसरे सप्ताह में विश्वविद्यालय के दोनों परिसर में आयोजित की जाएगी। प्रवेश समन्वयक प्रो .अनित्य गौरव ने बताया कि जल्द ही इसकी स्कीम जारी होगी। वि.

I NEXT

18 साल बाद डीलिट, डीएससी और एलएलडी में भी एडमिशन

एडमिशन के लिए अनिवार्य योग्यता

इन बातों का रखें ध्यान

एलयू एंट्रेस एग्जाम आज से होंगे शुरू

एलयू के स्नातक कोर्सों में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षाएं सोमवार से शुरू होंगी. इसको लेकर तैयारी पूरी ककर ली गई है. पहले दिन सुबह 10 :30 से दोपहर 12 बजे तक बीजेएमसी और दोपहर 2 :30 बजे से चार बजे तक बीएलएड के लिए प्रवेश परीक्षा होगी. अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र के साथ एक घंटा पहले प्रवेश दिया जाएगा.

एलयू में पीजी आवेदन की डेट बढ़ाई गई

एलयू ने पीजी एवं पीजी प्रोफेशनल कोर्सों में आवेदन की तिथि नौ जुलाई तक बढ़ा दी है. अभी तक पांच जुलाई तक समय दिया गया था. प्रवेश परीक्षा जुलाई के तीसरे सप्ताह में विश्वविद्यालय के दोनों परिसर में आयोजित की जाएगी. प्रवेश समन्वयक प्रो .अनित्य गौरव ने बताया कि जल्द ही इसकी स्कीम जारी होगी.

HINDUSTAN

डी.लिट, डीएससी, एलएलडी में 18 वर्ष बाद होंगे दाखिले

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में करीब 18 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद डी.लिट., डी.एससी. और एल.एल.डी. जैसी सर्वोच्च शोध उपाधियों में प्रवेश प्रक्रिया फिर शुरू होने जा रही है। विश्वविद्यालय की सभी सक्षम निकायों ने वर्ष 2025 का नया अध्यादेश पारित कर दिया है। अब राजभवन से अंतिम मंजूरी मिलते ही दाखिले के लिए अधिसूचना जारी कर पंजीकरण प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

नए अध्यादेश के अनुसार डी.लिट. की उपाधि कला, शिक्षा, वाणिज्य और ललित कला संकायों, डी.एससी. विज्ञान, अभियंत्रण, प्रौद्योगिकी और औषधि विज्ञान संकायों तथा एल.एल.डी. विधि संकाय के शोधार्थियों के लिए होगी। प्रवेश के लिए अभ्यर्थी के पास संबंधित विषय में पीएचडी की उपाधि होना अनिवार्य होगा। पीएचडी के बाद शिक्षण, अनुसंधान, प्रशासन या संबंधित क्षेत्र में कम से कम पांच वर्ष का नियमित अनुभव और उच्च गुणवत्ता वाले शोध पत्र प्रकाशित होना भी जरूरी होगा। शोध पत्रों में अभ्यर्थी का प्रथम या पत्राचार लेखक होना अनिवार्य रहेगा। अध्यादेश में शोध के लिए दो व्यवस्थाएं की गई हैं। पहली व्यवस्था में विवि योग्य अभ्यर्थियों को मार्गदर्शक उपलब्ध कराएगा। मार्गदर्शक वही प्राध्यापक बन सकेंगे जिन्होंने कम से कम पांच पीएचडी शोधार्थियों का सफल मार्गदर्शन किया हो। दूसरी व्यवस्था में वरिष्ठ शोधकर्ताओं को स्व-मार्गदर्शन के तहत स्वतंत्र रूप से शोध करने का अवसर मिलेगा। इसके लिए पीएचडी के बाद कम से कम दस वर्ष का अनुभव और उच्च स्तर के 15 शोध पत्र प्रकाशित होना अनिवार्य होगा। आवेदन के साथ 1500 से 3000 शब्दों का शोध सार, पूर्व शोध कार्य का संक्षिप्त विवरण और अनापत्ति प्रमाणपत्र जमा करना होगा। उच्च स्तरीय शोध समिति प्रकाशनों की गुणवत्ता जांच कर प्रवेश की संस्तुति करेगी।

"18 वर्ष बाद इन उच्च शोध उपाधियों में प्रवेश की बहाली विश्वविद्यालय के अकादमिक इतिहास में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप उच्च गुणवत्ता वाले मौलिक अनुसंधान को बढ़ावा देना है।

प्रो. जेपी. सैनी

कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय

एलयू में पीजी कोर्स में आवेदन नौ तक

लखनऊ विवि ने एक बार फिर परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन तिथि बढ़ा दी है। सत्र 2026–27 की केन्द्रीकृत प्रवेश प्रक्रिया जारी है। जिसके अन्तर्गत पीजी कोर्स और पीजी प्रोफेशनल कोर्स में आवेदन के लिए पांच जुलाई तिथि निर्धारित थी, जो अब नौ जुलाई तक कर दिया गया है।